

थारी काया रो गुलाबी रंग उड़ जासी भजन लिरिक्स



थारी काया रो गुलाबी रंग उड़ जासी,
थारी काया रो गुलाबी रंग उड़ जासी,
उड़ जासी रे फिको पड़ जासी,
उड़ जासी रे फिको पड़ जासी रे,
थारी काया रो गुलाबी रंग उड़ जासी।

अरे हरा हरा रूकड़ा उगता रे बाग में,
हरा हरा रूकड़ा उगता रे बाग में,
पान फूल एक दिन जड़ जासी,
पान फूल एक दिन जड़ जासी रे,
थारी काया रो गुलाबी रंग उड़ जासी,
थारी काया रो गुलाबी रंग उड़ जासी।

अरे सूरज उगीयो ने दोपारा मे तपीयो,
सूरज उगीयो दोपारा मे तपीयो,
अरे सांझ पड़्या सूरज ढल जासी,
सांझ पड़्या सूरज ढल जासी रे,
थारी काया रो गुलाबी रंग उड़ जासी,
थारी काया रो गुलाबी रंग उड़ जासी।

अरे रेण बसेरो पंछी किनो,
रेण बसेरो पंछी किनो,
अरे भोर भई रे पंछी उड़ जासी,
भोर भई रे पंछी उड़ जासी रे,
थारी काया रो गुलाबी रंग उड़ जासी,
थारी काया रो गुलाबी रंग उड़ जासी।

जग सर्कस है देख मेरा भाई,
जग सर्कस है देख मेरा भाई,
अरे खेल खत्म होया पचे घर जासी,
खेल खत्म होया पचे घर जासी रे,
थारी काया रो गुलाबी रंग उड़ जासी,
थारी काया रो गुलाबी रंग उड़ जासी।



अरे ओ तन है भाई पानी रो पतासो,
ओ तन है भाई पानी रो पतासो,
अरे पानी रो पतासो बीरा गल जासी,
ए पानी रो पतासो ए बीरा गल जासी रे,
थारी काया रो गुलाबी रंग उड जासी,
थारी काया रो गुलाबी रंग उड जासी।bd।

कहे देवीदास श्री भजन करो भाई,
अरे कहे देवीदास श्री धर्म करो भाई,
अरे धर्म कमाई थारे सागे जासी,
अरे धर्म कमाई थारे सागे जासी रे,
थारी काया रो गुलाबी रंग उड जासी,
थारी काया रो गुलाबी रंग उड जासी।bd।

थारी काया रो गुलाबी रंग उड जासी,
थारी काया रो गुलाबी रंग उड जासी,
उड जासी रे फिको पड जासी,
उड जासी रे फिको पड जासी रे,
थारी काया रो गुलाबी रंग उड जासी।bd।

गायक – मोईनुद्दीन जी मनचला ।
प्रेषक – मनीष सीरवी
9640557818
